

26 अक्टूबर 2021



संदेश

देश की सर्वोच्च सत्यनिष्ठ संस्था के रूप में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने इस वर्ष "स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा के साथ आत्मनिर्भरता" थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व और "भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस" की नीति के प्रति वचनबद्धता पर जोर देता है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निदेशानुसार सी-डॉट 26 अक्टूबर 2021 से 1 नवंबर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित कर रहा है।

आयोग बहु-आयामी दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में प्रतिवर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन के माध्यम से सभी हितधारकों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम और उससे लड़ाई में भाग लेने तथा भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारण और गंभीरता एवं इससे उत्पन्न खतरों के बारे में जन जागृति फैलाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

उच्चाधिकार प्राप्त पद पर आसीन व्यक्ति जब स्वयं अथवा किसी अन्य व्यक्ति को बेईमानी अथवा अनैतिक तरीके से लाभ पहुँचाता है, तो उसे भ्रष्टाचार के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह सम्पूर्ण विश्व में किसी न किसी रूप में समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करती है। संगठनों में, सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

ई-गवर्नेंस, और प्रक्रियाओं में प्रणालीगत परिवर्तन, न्यूनतम विवेकाधिकार, कम सार्वजनिक इंटरफेस, तकनीक-आधारित खरीद और स्वचालन जैसे उपायों से भ्रष्टाचार को कम करने में काफी मदद मिलेगी। इसलिए, आयोग सभी संगठनों/विभागों को भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए प्रभावी निवारक उपायों की पहचान करने और उन्हें लागू करने तथा अपने कामकाज में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने की सलाह देता रहा है। सी-डॉट एक सुस्थापित अनुसंधान एवं विकास संस्थान है तथा सीवीसी की सलाह के अनुसार पारदर्शिता और जवाबदेही को लागू करने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जाता है।

इस अवसर पर, आइए हम अपने काम और कर्तव्यों के प्रति सतर्क और जवाबदेह रहें। हम अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदार प्रयासों और सार्थक सहयोग की बदौलत दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के साथ-साथ एक सतर्क संगठन के रूप में भी ख्याति प्राप्त करेंगे।

राजकुमार उपाध्याय

(डॉ राजकुमार उपाध्याय)
कार्यकारी निदेशक



सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स
भारत सरकार का दूरसंचार प्रौद्योगिकी केन्द्र

Centre for Development of Telematics
Telecom Technology Centre of Govt. Of India

26 October 2021



Message

The Central Vigilance Commission (CVC), as the apex integrity institution of the country, endeavours to promote integrity, transparency and accountability in public life. The CVC has decided to observe this year's Vigilance Awareness Week with the theme "**Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity**". Vigilance Awareness Week emphasizes the importance of integrity in public life and commitment to the policy of "Zero Tolerance against Corruption".

In light of this directive from the CVC, C-DOT is observing the Vigilance Awareness Week from 26th October 2021 to 1st November, 2021.

This observance of Vigilance Awareness Week every year is part of the multi-pronged approach of the Commission where a key strategy is to encourage all stakeholders to collectively participate in the prevention of, and the fight against corruption and to raise public awareness regarding the existence, causes and gravity of and the threat posed by corruption.

Corruption can be defined as dishonest or unethical conduct by a person entrusted with a position of authority, either to obtain benefit to oneself or to some other person. It is a global phenomenon, affecting all strata of society in some way or the other. In organizations, the purpose of Vigilance Awareness Week is to generate awareness about the ill effects of corruption.

E-governance, and systemic changes in procedures, minimal discretion, reduced public interface, technology based procurement and automation will go a long way in reducing corruption. The Commission has, therefore, been advising all organizations/ departments to identify and implement effective preventive measures to fight corruption and to enhance transparency and accountability in their functioning. C-DOT is well placed as an R&D Institution and technology is leveraged to implement transparency and accountability as advised by the CVC.

On this occasion, let us remain vigilant and accountable for our work & duties. With all the hard work, sincere efforts and fruitful co-operation, we shall not only be able to achieve great heights in the Telecom R&D domain, but also gain repute as a vigilant Organisation.

(Dr. Rajkumar Upadhyay)
Executive Director



सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स

भारत सरकार का दूरसंचार प्रौद्योगिकी केन्द्र

Centre for Development of Telematics

Telecom Technology Centre of Govt. Of India

26 October 2021



संदेश

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (CVC), देशद आशुन्नत समर्गतेर्य संस्थायागि, सावजनिक जीवनदली समर्गते, पारदर्शकते मुतु उत्तरदायीत्वावनु उत्तेजिसलु प्रयत्नमुत्तदे. "सूतंत्र भारत @ 75: समर्गतेर्योंदिगे साप्तवलंबने" एंब विषयदेंदिगे ते वर्षद विजिलेन्स जागृति वारपनु आचरिसलु CVC निधरिसिद. जागरूकतेर्य जागृति सप्ताहव्य सावजनिक जीवनदली समर्गतेर्य महत्व मुतु "भूषाप्तचारद विरुद्ध शान्त संहिम्मते" निति गे बद्धतेर्यनु ऒत्तुहेजुत्तदे.

CVC ये ते निदेशनद बैलिनली, C-DOT 26ने अक्टूबर, 2021 ००द १ नवंबर, 2021 रवर्गे विजिलेन्स जागृति वर्षवनु आचरिसुत्तदे.

प्रति वर्ष विजिलेन्स जागृति सप्ताहद ते आचरणेर्य आयोगद बहु-हंतद विधानद भागवागि, इदरली प्रमुख कायंतंत्रव्य वलालु मुद्दसाफाररनु ओप्पाप्ति भूषाप्तचारवनु तदेगेप्पवली मुतु अदर विरुद्धद हेताटदली भागवेसलु मुतु आसुत्तदे बगे वावजनिक जागृति मुद्दिसलु प्रौद्योगिकीसुव्यद, भूषाप्तचारद कारणगतु मुतु गुरुत्वाप्तकर्षणे मुतु बैदरके.

भूषाप्तचारवनु आपामाणिक अधवा अन्तीके नदवलीकेयोंदु अधिकारद साफवनु वहिसिकेंदिरुव व्यक्तियु तेने अधवा इनोडब्लु व्यक्तिगे लाभवनु प्रदेयलु व्याख्यानीसव्यद. इदु जागति विद्यमानवागिद, समाजद वला सूरगत मैले केलव्य रीतियली अधवा इनोडांदु रीतियली वरिणामु बीरुत्तदे. संस्थागतली, भूषाप्तचारद दुप्परिणामगत बगे जागृति मुद्दिसुव्यद विजिलेन्स जागृति सप्ताहद उद्देश्यवागि.

इ-आदेश मुतु कायंविधानगतलीन व्यवस्थात बदलावणेगत, कनिष्ठ विवेचने, कदिमे वावजनिक इंटर्फ़ेस, तंत्रज्ञान आधारित संग्रहणे मुतु यांत्रिकरणव्य भूषाप्तचारवनु कदिमे वादुवली बहुत दूर हेतागुत्तदे. आद्वरींद आयोगव्य भूषाप्तचारद विरुद्ध हेतारात्तलु परिणामकारी तदेगेप्पव क्रमगतनु गुरुत्वासलु मुतु कायंविवेचनेगतेर्यले संस्थागत अप्यगत कायंनिवेचनेयली पारदर्शकते मुतु हेतागतिकेयनु व्यक्तिसलु वलालु संस्थागत / इलाजेगती गते सलहे निदुत्तदे. C-DOT अनु र आ इरिसलागि.

ते संदर्भदली, नावु नमु केलसद बगे जागरूकरागिरेंजा मुतु जवाबादररागिरेंजा.

राज्य चैरा

(डा. राजकुमार उपाध्य)

कायंनिवेचनेके निदेशक